हिन्दुस्तान 16 जनवरी 2015

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में आज होगी एक्सपर्ट कमेटी की बैठक, पहली बार एनएसआई निदेशक की अध्यक्षता में रिलीज होंगे मानक

चीनी की 'मिठास' के मानक तय करेंगे एक्सपर्ट

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

मोदी सरकार ने चीनी की 'मिठास' के मानक तय करने का काम चीनी के विशेषज्ञों के सुपुर्द कर दिया है। इसके मानक तय करने का काम अब तक अफसरशाहों के सुपुर्द था। नियम बदलने में सरकार को भले ही दो माह ज्यादा लगे हों, पर चीनी मानक तय करने का अधिकार तकनीकी विशेषज्ञों को मिल गया। देश में चीनी उत्पादन के नए मानक शुक्रवार को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (नेशनल शुगर इन्स्टीट्यूट-एनएसआई) में होने वाली एक्सपर्ट कमेटी की बैठक के बाद रिलीज कर दिए जाएंगे। इस साल सात प्रकार की चीनी का देश में उत्पादन किया जाएगा।

हर वर्ष चीनी के मानक तय किए जाते हैं। टेक्नोलॉजी में बदलाव के चलते इसके साइज और कलर में परिवर्तन आ रहा है। शुक्रवार को जो मानक तय किए जाने हैं वह लगभग तय हो चुके हैं लेकिन औपचारिक रूप से इसकी रिलीज बैठक के बाद होगी। एक दशक में देश में चीनी की गुणवत्ता में काफी बदलाव आया है। अन्तरराष्ट्रीय के मुकाबले अब देश की चीनी 19 नहीं रह गई है।

तैयारी

- इस साल सात प्रकार की चीनी का देश में किया जाएगा उत्पादन
- टेक्नोलॉजी में बदलाव के चलते साइज और कलर में परिवर्तन

मानक कमेटी के नियम बदले

मोदी सरकार ने निर्णय लिया है कि विशेषज्ञ समिति का चेयरमैन अब एनएसआई का निदेशक होगा। पहले मंत्रालय का संयुक्त सचिव इसकी अध्यक्षता करता था। अब माना गया है कि यह मामला पूरी तरह तकनीकी है इसलिए तकनीकी विशेषज्ञ ही इसकी अध्यक्षता करे। शुक्रवार को निदेशक, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान अध्यक्षता (चेयरमैनशिप) में विशेषज्ञ समिति (एक्सपर्ट कमेटी) की बैठक प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय सहकारी चीनी मिल संघ, नई दिल्ली, महानिदेशक, भारतीय चीनी मिल संगठन, नई दिल्ली, निदेशक, भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ एवं अध्यक्ष, भारतीय चीनी तकनीकविद् संगठन (एसटीएआई) नई दिल्ली सदस्य के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह समिति पेराई सत्र 2014-15 के लिए शर्करा मानकों (शुगर स्टैंडर्ड) को स्वीकृत एवं रिलीज करने के लिए अधिकृत है। चीनी मिलें अपने उत्पाद को इन्हीं शर्करा मानकों के आधार पर चिह्नित (मार्क) करती हैं जो कि संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष तैयार किए जाते हैं। पहले यह मानक अक्तूबर में तय कर दिए जाते थे लेकिन इस बार यह मानक जनवरी में रिलीज हो पा रहे हैं। देश के 28 चीनी मिलों से सैंपल मंगवाए गए हैं। देश में 245 लाख टन चीनी का विगत वर्ष में उत्पादन हुआ है।

क्या होंगे नए मानक

शुक्रवार को जो चीनी के मानक रिलीज होने हैं उस पर तकनीकी विशेषज्ञ निर्णय ले चुके हैं। अन्य मानकों पर चर्चा होने के बाद रिलीज कर दी जाएगी। जो मानक रिलीज होंगे, वे हैं- लार्ज 30 और 31 (मोटे दाने की, सफेदी 30 और 31), मीडियम 30 और 31 (मीडियम दाने की, सफेदी 30 और 31), स्माल (छोटे दाने की, सफेदी 30 और 31), सुपर स्माल (बेहद छोटे दाने की, सफेदी 31)। सफेदी का मानक मॉडयुलेटेड रिफ्लेक्टेड वैल्यू यानी एमआरवी पर निर्भर करता है। सफेदी कम होती है तो वह 27, 28 जैसे मानक पर रहती है। पूर्व में जो मानक तय होते थे उसमें सफेदी का मानक सामान्य तौर पर 28 और 29 रहता था। अब चीनी की गुणवत्ता बढ़ी है और सफेदी का अंक 30, 31 पर पहुंच गया है।

देश भर में तय मानक पर बनेगी चीनी

देश की सभी चीनी मिलों को हर साल मानक भेज दिए जाते हैं और उन पर अनिवार्य होता है कि वे इसी मानक पर चीनी का उत्पादन करें। जैसी भी चीनी होती है वह बोरे पर स्पष्ट रूप से लिखी होती है। अगर किसी को मोटे दाने की सफेद चीनी चाहिए तो उस पर एल-31 लिखा होगा। चीनी को लेकर भ्रम नहीं होता कि इसके अन्दर कैसी चीनी होगी।

महीन चीनी के शौकीन

देश के विभिन्न राज्यों में चीनी की पसंद भी अलग-अलग है। उत्तर भारत के राज्यों जैसे पंजाब, दिल्ली या उत्तर प्रदेश में मोटे दाने की चीनी पसंद की जाती है। दक्षिण भारत में महीन दाने की चीनी पसंद है। जिस क्षेत्र में चीनी बिकनी होती है उसी के अनुरूप सप्लाई की जाती है। मानक भी तय किए जाते हैं।

देश में तकनीक का क्षेत्र बढ़ने से उत्पादन प्रक्रिया में भी असर बड़ा है। अब अधिक क्वालिटी वाली चीनी तैयार की जा रही है। मानक तय हैं लेकिन इस पर चर्चा होनी है। कई अन्य बिन्दुओं पर चर्चा के बाद जैसा भी निर्णय होगा उसके बाद इसे रिलीज करेंगे। - प्रो. नरेन्द्र मोहन, निदेशक एनएसआई